निबन्ध (ESSAY)

DTVF/17–ESY-**E3**

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

नाम (Name): Anil Kumar

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ☐ नहीं ☐

मोबाइल नं. (Mobile No.): ____________

ई-मेल पता (E-mail address): ____________

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 20/08/2017

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2017]: ☐☐☐☐☐☐☐

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): Hindi

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Anil

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू०सी०ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहियें।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा गया कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।

85

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

खण्ड A और B में प्रत्येक से एक-एक चुनकर, दो निबंध लिखिये जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों में हो: $125 \times 2 = 250$

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Sections A and B, in about 1000–1200 words each: $125 \times 2 = 250$

कृपया इस स्थान कुछ न लिखें।

(Please don't wri anything in this

खण्ड–A / SECTION –A

1. समन्वित प्रयत्नों से हम देश को नई ऊँचाइयाँ प्रदान कर सकते हैं, जबकि एकता का अभाव हमारे समक्ष नई आपदाओं को उजागर करेगा।
   By common endeavor we can raise the country to a new greatness, while a lack of unity will expose us to fresh calamities.
2. कम नकद तथा नकदरहित अर्थव्यवस्था।
   Less cash and cashless economy.
3. यदि आप एक वर्षीय समाधान चाहते हैं तो बीज बोएँ, यदि पाँच वर्षीय समाधान चाहते हैं तो वृक्ष लगाएँ लेकिन यदि आप पीढ़ीगत समाधान चाहते हैं तो नारी को शिक्षा प्रदान करें।
   If you want to plan for a year sow a seed, if you want to plan for five year plant a tree but if you want to plan for a generation educate women.
4. विज्ञान की सीमाएँ जहाँ समाप्त होती हैं अध्यात्म की शुरुआत वहीं से होती है।
   Spirituality begins where science ends.

"कम नकद तथा नकदरहित अर्थव्यवस्था"

भारत के प्रधानमंत्री श्री 2016 नरेन्द्र मोदी जी ने 8 नवंबर 2017 की रात से ₹ 500 और 1000 की मुद्रा को अवैध घोषित कर भारत में विमुद्रीकरण प्रांरभ किया। इसी के साथ उन्होंने नकदरहित अर्थव्यवस्था की ओर कदम बढ़ाए। ऐसे में भारत में विचारों के मध्य वैचारिक द्वंद

गलत तथ्य न लिखें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उत्पन्न हो गया कि क्या विमुद्रीकरण भारतीय अर्थव्यवस्था को नकदरहित अर्थव्यवस्था में परिवर्तित कर सकती है और क्या भारत की वर्तमान स्थिति ऐसी है कि इसमें यह संभव है ? या इसे पहले भारतीय अर्थव्यवस्था को कम नकद की अग्रसर किया जाए तत्पश्चात उसे नकदरहित अर्थव्यवस्था में रूपांतरित किया जाए। किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने से पूर्व आवश्यक है कि पहले हम विमुद्रीकरण के लाभ, हानि की चर्चा करें; विमुद्रीकरण से किस प्रकार हम भारतीय अर्थव्यवस्था को नकद-रहित या कम नकद अर्थव्यवस्था में बदल सकते है ? भारत में नकद रहित अर्थव्यवस्था स्थापित करने में समस्याएँ क्या है ?

यदि विमुद्रीकरण को सामान्य भाषा में समझने का प्रयास करें तो इसका तात्पर्य होता है। किसी मूल्य की मुद्रा

सभ्यता के आरंभ से विनिमय एवं विनिमय प्रणाली के विकास की चर्चा करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

को अवैध घोषित करना।' भारतीय अर्थव्यवस्था में 85% से अधिक मुद्रा ₹500 और 1000 के नोट के रूप में थी। इन नोटों को विमुद्रीकृत करने से भारतीय अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल होना स्वाभाविक ही था।

कैशलेस इकानमी क्या है? स्पष्ट करें।

वस्तुतः विमुद्रीकरण के पक्ष में सरकार ने कई लाभ गिनाए। मसलन सरकार का मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था 'डिजिटल अर्थव्यवस्था' में रूपांतरित हो जाएगी। लोग अब नकद रखने की बजाय 'डिजिटल ट्रांजैक्सन' करेंगे। डिजिटल ट्रांजैक्सन भविष्य में भी भारतीय अर्थव्यवस्था को नकदरहित अर्थव्यवस्था में परिवर्तित कर देंगे।

दरअसल अनेक विचारकों का मानना है कि डिजिटल ट्रांजैक्सन बढ़ने से

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

'भ्रष्टाचार' पर अंकुश लगेगा। वस्तुतः भुगतान नकद में होने के कारण लोगों को काली कमाई को छुपाना आसान होता है। किंतु जब नकदरहित अर्थव्यवस्था होगी सरकार के पास किसी व्यक्ति द्वारा किए गए क्रय विक्रय का पूरा डाटा होगा, जिससे 'भ्रष्टाचार' एवं 'काला धन' जैसी समस्याओं पर अंकुश लगेगा।

इसी प्रकार भारत में अभी भी बड़ी मात्रा में 'जाली मुद्रा' प्रचलन में है। यह जाली मुद्रा विशेषतः उच्च मूल्य की मुद्रा के रूप में ~~होत~~ है। इस जाली मुद्रा से जहाँ भारतीय अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, तो वहीं, यह 'आतंकवाद' को भी पोषित कर रही है। ऐसे में नकदरहित अर्थव्यवस्था होने से जाली मुद्रा एवं आतंकवाद जैसी समस्याएं भी सुलझेंगी।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please do not write anything in this space)

समानांतर अर्थव्यवस्था के महत्व पर चर्चा

→ मुद्रा के आवागमन संबंधी समस्या का समाधान

→ बैंक ब्याज दरों में कमी

→ निवेश में वृद्धि

→ प्रकरेंसी नोटों के मुद्रण एवं प्रचालन संबंधी लागत में कमी इत्यादि की भी चर्चा करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

वाक्य संरचना पर ध्यान दें

नकद रहित अर्थव्यवस्था होने से आय-व्यय में पारदर्शिता है और 'कर चोरी' करना कठिन होगा, जिससे सरकार के 'कर राजस्व' में वृद्धि होगी। इससे सरकार का राजस्व घाटा कम होगा और सरकार जनकल्याणकारी ~~की~~ योजनाओं पर अधिक खर्च कर सकेगी।

इसी प्रकार वर्तमान में 'मुद्रा चोरी' की समस्या बनी रहती है। 'डिजिटल मुद्रा' की स्थिति में यह चोरी की समस्या भी समाप्त होगी तथा 'डिजिटल मुद्रा' को ~~ले~~ लाने-लेजाने में कोई समस्या नहीं होती। इससे जनता को लाभ होगा।

विमुद्रीकरण के पश्चात 'नकदरहित अर्थव्यवस्था' में भारत को परिवर्तित करने से तो यही प्रतीत होता है कि ~~हमें~~ भारत यथाशीघ्र ही भारत को यह अपना लेना चाहिए।

किंतु यह एकआयामी दृष्टिकोण है। दरअसल है भारत

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

में विमुद्रीकरण के पश्चात भारत में सूक्ष्म एवं घरेलू उद्योगों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा क्योंकि ये उद्योग मुख्यतः नकद पर आश्रित होते हैं। इसी प्रकार दिन-प्रतिदिन मजदूरी करने वालों को भी इससे परेशानी का सामना करना पड़ा। इतना ही नहीं भारत में लोगों को अपने नोट बदलाने के लिए अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ा, जिसमें कई लोगों की मौतें तक हुई।

केवल विमुद्रीकरण के कारण भारत में समस्याएँ ही उत्पन्न नहीं हुई, बल्कि विमुद्रीकरण के पश्चात भारत को 'नकदरहित अर्थव्यवस्था' में परिवर्तित करने की कल्पना कर रहे लोगों के सामने अनेक बाधाएँ भी उत्पन्न हुई। वस्तुतः आज भी भारत की 68% आबादी ग्रामीण

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

क्षेत्र में निवास करती है और ग्रामीण क्षेत्र में अभी भी वित्तीय संस्थाओं का अभाव है, ऐसे में नकद रहित अर्थव्यवस्था की कल्पना करना बेमानी है।

इतना ही नहीं भारत में अभी भी कुल साक्षरता दर 74% के करीब है। ऐसे में यह कल्पना करना मुश्किल होगा कि भारत में आज भी कितने लोग इंटरनेट के माध्यम से लेन-देन करते हैं या ई-वॉलेट, पे-एटीएम जैसे डिजिटल ट्रांजैक्शन एप का प्रयोग करते हैं। जब तक भारत में सभी को वित्तीय साक्षरता ~~एवं~~ प्रदान नहीं की और भारत में विद्यमान 'डिजिटल गैप' को समाप्त नहीं किया जाता। नकदरहित अर्थव्यवस्था एक स्वप्न ही है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इसी प्रकार 'नकदरहित अर्थव्यवस्था' स्थापित करने में सबसे बड़ी समस्या 'साइबर सुरक्षा' की है। हम दिन-प्रतिदिन साइबर सेंधमारी की खबरें समाचार पत्रों में पढ़ते हैं। अभी हाल ही ~~आम~~ 'रैनसमवेयर' जैसे वायरस ने पूरे विश्व को प्रभावित किया।

भारत में अभी भी 90% से अधिक रोजगार अनियोजित क्षेत्र में हैं। ऐसे में नकद रहित अर्थव्यवस्था इनको निश्चित तौर पर प्रभावित करेगी। इतना ही नहीं कृषि कार्यों में बड़े पैमाने पर दिहाड़ी मजदूरों की आवश्यकता होती है, तुरंत ही नकदरहित अर्थव्यवस्था अपनाने से इस पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा

~~इस~~ उपरोक्त विवेचन से तो ऐसा प्रतीत है कि

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

भारत में 'नकदरहित अर्थव्यवस्था' एक स्वप्न के समान है। किंतु नकदरहित अर्थव्यवस्था को स्वप्न मानना गलत है। वस्तुतः भारत में पहले 'कम नकद' अर्थव्यवस्था स्थापित करने को प्राथमिकता देनी चाहिए।

दरअसल पहले लोगों को 'कम नकद' के प्रयोग करने को प्रेरित करना चाहिए और क्रमिक रूप में नकद रहित अर्थव्यवस्था स्थापित की जानी चाहिए। वस्तुतः पहले लोग नकद का कम प्रयोग करने के लिए अभ्यस्त होगें, इसी दौरान भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय संस्थाओं का प्रसार किया जाए, लोगों को डिजिटल ज्ञान प्रदान कर उन्हें डिजिटल ट्रांजैक्शन के लिए प्रेरित किया जाए और सबसे बड़ी बात इसी दौरान भारत में सायबर

(Examiner's margin notes: चुनौतियाँ बताइए — कृषि अर्थव्यवस्था पूर्णतया नकदी पर निर्भर — वित्तीय संस्थानों की कमी / भय — लेन-देन पर शुल्क इत्यादि की भी चर्चा करें — सरकार द्वारा किये गए प्रयासों यथा नीति 2013 — साइबर सुरक्षा — START-UP इत्यादि की भी चर्चा करें; बड़ी)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सुरक्षा के लिए मजबूत संस्थाएँ स्थापित की जाएं, लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाए।

निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि वर्तमान में भारत को नकदरहित अर्थव्यवस्था के बजाय प्रारंभ में 'कम नकद' को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। 'कम नकद' अर्थव्यवस्था को हाल-फिलहाल में प्राथमिकता देते हुए 'नकदरहित' की ओर बढ़ना चाहिए और इसी प्रकार नकदरहित अर्थव्यवस्था के स्थापित करने में विद्यमान बाधाओं को समाप्त करना चाहिए। ऐसे में संभव है कि भारत दो या तीन दशक पश्चात नकद रहित अर्थव्यवस्था में रूपांतरित हो जाए।

लेखन शैली को और प्रभावी बनाने का प्रयास करें

कथावों या कविता का समावेश कर भूमिका व निष्कर्ष को और प्रभावी बनाने का प्रयास करें

37

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

खण्ड–B / SECTION –B

1. एक राष्ट्र : एक निर्वाचन
   One nation: One election.
2. भारत में डिजिटल अंतराल : ग्राम्य रूपांतरण में अवरोध
   Digital divide in India: A roadblock to rural transformation.
3. कायांतरित भारत : नवीन भारत
   Transforming India: New India.
4. निष्ठावान पड़ोसी दूरस्थ रिश्तेदार से उत्कृष्ट है।
   A close neighbour is better than distant relative.

"एक राष्ट्र : एक निर्वाचन"

अभी हाल ही में समाचार पत्रों में 'एक राष्ट्र : एक निर्वाचन' जैसी ~~चर्चा~~ चर्चित पढ़ने को मिल रही है। वस्तुतः 'एक राष्ट्र : एक निर्वाचन' से तात्पर्य भारत में 'संसद एवं विधानसभा' के चुनाव एक साथ कराए जाने से है। ऐसा नहीं है कि इस सिद्धांत को सर्वस्वीकृति प्राप्त हो। जैसा कि किसी ~~वैच~~ विचारशील समाज में होता है कि वह किसी सिद्धांत को ~~स्वी~~ तर्क - वितर्क करने के पश्चात ही स्वीकार करता है, ऐसा ही भारत

चुनाव का अर्थ स्पष्ट करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

भारत में विभिन्न प्रकार के चुनावों एवं इनकी कार्यप्रणाली की चर्चा करें।

में देखने को मिला। वहाँ एक वर्ग भारत में 'एक राष्ट्र: एक निर्वाचन' को स्वीकार करता है, तो वहीं दूसरा वर्ग इसकी आलोचना करते हुए इसे सिरे से अस्वीकार करता है। किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले आवश्यक है कि हम 'एक राष्ट्र: एक निर्वाचन' का भारतीय लोकतंत्र के परिप्रेक्ष्य में विश्लेषण करें और तत्पश्चात किसी निष्कर्ष पर पहुँचें।

यदि हम भारतीय लोकतंत्र में निर्वाचन प्रणाली की बात करें तो भारत की आजादी के पश्चात 1965 तक राज्यों के विधानसभाओं एवं लोकसभा के चुनाव एक साथ होते रहे। किंतु 1965 के पश्चात भारत में अनेक क्षेत्रीय दलों का प्रभाव हुआ और भारत में गठबंधन और की सरकारें धरातल पर

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आई। ~~1980 और 90~~ 1980 और 1990 का दशक गठबंधन राजनीति का चरम था। श्री अटल बिहारी वाजपेई की सरकार मात्र 17 दिन में समाप्त हो गई। ऐसे में लोग बार - बार चुनाव से त्रस्त हुआ। ~~ई~~ 2000 ई० के पश्चात भारत में राजनीतिक स्थिरता देखने को देखने को मिलती है। किंतु तब भी भारत में लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ नहीं होते हुए। बल्कि भारत में ऐसी स्थिति विद्यमान है कि प्रत्येक वर्ष किसी न किसी राज्य में विधानसभा चुनाव होते रहते हैं।

बार - बार होने वाले चुनावों के कारण उत्पन्न होने वाली जनसमस्याओं के

वाक्य संरचना पर ध्यान दें

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कारण विचारकों का मानना है कि भारत में लोकसभा एवं सभी राज्यों की विधान-सभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाएं।

वस्तुत: बार-बार चुनाव होने के कारण निर्वाचन आयोग को वर्ष भर चुनाव कार्यों में संलग्न रहना पड़ता है। इसी कारण किसी न किसी 'आचार संहिता' लागू रहती है, जिससे सरकार के जनकल्याणकारी कार्यों में बाधा उत्पन्न होती है। कई बार प्राकृतिक आपदा जैसे - बाढ़, चक्रवात, सुनामि इत्यादि की स्थिति में भी सरकारें त्वरित निर्णय लेने में सक्षम नहीं होतीं।

इसी प्रकार बार-बार निर्वाचन प्रक्रिया के कारण प्रशासन निर्वाचन संबंधी कार्यों में लगा रहता

समस्याओं हेतु
→ दंगे-फसाद
↳ संप्रदायवाद
↳ क्षेत्रवाद को बढ़ावा
↳ जातिवाद
स्थायी की भी चर्चा करें
हट
हो भी सकता है
संपूर्ण
में

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

है जिससे वह अपने मुख्य उद्देश्य 'जनकल्याण' को सुनिश्चित नहीं कर पाता है।

इतना ही नहीं बार-बार निर्वाचन प्रक्रिया होने के कारण सरकार के राजस्व में भारी वृद्धि होती है। ऐसे में यदि विधान-सभाओं और लोकसभा के चुनाव एक साथ आयोजित कराए जाएं, तो इस व्यय को कम किया जा सकता है। इस धन का उपयोग राष्ट्र की संवृद्धि के लिए भी किया जा सकता है।

कुछ विचारकों का मानना है कि एक साथ निर्वाचन होने से जनता एक ही दल को राज्य में तथा लोकसभा में बहुमत देगी, जिससे केंद्र सरकार

सरकार के राजस्व व्यय में वृद्धि होती है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

और राज्य सरकार के बीच समन्वय अधिक रहेगा और राज्य का विकास अधिक होगा।

इसी के साथ 'एक राष्ट्र : एक निर्वाचन' का सिद्धांत राष्ट्रीय एकता में भी सहायक होगा क्योंकि दो विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव एक साथ होने से क्षेत्रीय दल क्षेत्रवाद को अधिक बढ़ावा नहीं देंगे क्योंकि उसी समय लोकसभा चुनाव भी संपन्न हो रहे होंगें अतः उनकी प्राथमिकता राष्ट्रीय मुद्दों को हल करने की होगी।

'एक राष्ट्र : एक निर्वाचन' के सिद्धांत से होने वाले लाभों को देखकर तो प्रतीत है कि भारत में तुरंत ही इसे स्वीकार कर लिया जाना चाहिए।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

किंतु 'एक राष्ट्र : एक निर्वाचन' को लागू करने में अनेक समस्याएं भी है।

वस्तुतः वर्तमान में अनेक राज्यों और लोकसभा के कार्यकाल भिन्न-भिन्न समय पर समाप्त हो रहे हैं। ऐसे में यदि 'एक राष्ट्र : एक निर्वाचन' को लागू करना है तो विधानसभाओं को पूर्व में ही भंग करना होगा। ऐसे में संभव है कि राज्य सरकारें इस मामले को न्यायपालिका में चुनौती दें। ऐसे में 'एक राष्ट्र : एक निर्वाचन' के सिद्धांत को लागू करने में ग्रहण लग सकता है।

'एक राष्ट्र : एक निर्वाचन' के पक्ष में दूसरा तर्क दिया है कि इससे राज्यों एवं संघ में एक ही

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

~~सरक~~ दल की ~~की~~ सरकार ~~की~~ बनेगी, जिससे राज्य का समन्वित विकास होगा। किंतु यह भ्रामक है क्योंकि विभिन्न राज्यों एवं देश के मुद्दे भिन्न-भिन्न होते हैं और ऐसे में भी यह संभावना कम है कि सभी राज्यों में एवं केंद्र में एक ही दल की सरकार बनें। वर्तमान में केंद्र में 'भारतीय जनता पार्टी' ~~दल~~ की सरकार है जबकि दक्षिणी राज्यों में विभिन्न दलों।

विभिन्न आयोगों व समितियों की सिफारिशों की भी चर्चा करें

ऐसे में यदि मान भी लिया जाए कि एक बार सभी राज्यों एवं लोकसभा का चुनाव एक साथ आयोजित करा लिया जाए, किंतु यदि किसी राज्य में अल्पमत की सरकार बनी और वह बीच में ही अपना बहुमत खो

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

देती है, तो उस राज्य में तो पुनः निर्वाचन आयोजित कराए ही जाएंगे। ऐसे में 'एक राष्ट्र : एक निर्वाचन' संभव नहीं है।

कुछ लोग 'एक राष्ट्र : एक निर्वाचन' के पक्ष में तर्क देते हैं कि इससे प्रशासन पर निर्वाचन संबंधी बोझ कम होगा। किंतु लोकतंत्र का उद्देश्य 'जन द्वारा निर्वाचित' सरकार से होता है, और निष्पक्ष चुनाव एक प्राथमिक कसौटी माना जाता है। किंतु एक साथ चुनाव कराने में सुरक्षा संबंधी या निष्पक्ष चुनाव आयोजित कराने संबंधी समस्याएं भी है। भारत में अभी भी जम्मू कश्मीर, उत्तर-पूर्व, छत्तीसगढ़ इत्यादि राज्यों में ~~हिंस~~ निर्वाचन के दौरान हिंसक घटनाएं देखने को मिलती है, तो वहीं कई स्थानों पर 'बूथ कैप्चरिंग'

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

संबंधी समस्याएँ भी सामने आती हैं। ऐसे में एक साथ चुनाव कराने से सभी को सुरक्षा उपलब्ध कराना निष्पक्ष चुनाव मुश्किल है। निष्पक्ष निर्वाचन के बिना तो 'लोकतंत्र' ही प्रश्नचिन्हित हो जाएगा।

भारत में अभी भी लोगों में राजनीतिक जागरूकता का अभाव है, ऐसे में उनके सामने मतदान के समय भ्रम की स्थिति होगी क्योंकि वह क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर निष्पक्ष निर्णय नहीं ले पाएँगे।

यदि 'एक राष्ट्र : एक निर्वाचन' के पश्चात पूरे देश एवं सभी राज्यों में एक ही दल की सरकार बन जाती है, तो उस दल के निरंकुश होने की संभावना बनी हो सकती है, ऐसे में लोकतंत्र को ही खतरा उत्पन्न हो सकता है।

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

उपरोक्त विश्लेषण के पश्चात हम कह सकते हैं कि वर्तमान में 'एक राष्ट्र : एक निर्वाचन' को व्यवहारिक धरातल पर लाने में अनेक समस्याएं हैं। ऐसे में हमें बार-बार निर्वाचन के कारण होने वाली समस्याओं के निराकरण पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके लिए सरकार को प्राथमिकता देनी चाहिए कि वह निर्वाचन आयोग को और अधिक अधिकार देते हुए, क्षेत्रीय स्तर पर जिला स्तर पर निर्वाचन संबंधी कार्यों के लिए एक ~~कार्यालय~~ पृथक कार्यालय की स्थापना की जाए, जिससे प्रशासन पर सीमित प्रभाव पड़े। इसके अतिरिक्त एक राज्य का चुनाव कराने से बेहतर ~~यदि~~ कई राज्यों का चुनाव एक साथ कराया जाए, इसके लिए यदि ~~किन्हीं~~ राज्यों की विधानसभाओं को एक-दो महीने पहले भी समाप्त किया जा सकता है और बहुमत खोने की समस्या के लिए 'रचनात्मक अविश्वास प्रस्ताव' लाने का प्रावधान करे इत्यादि।

लेखन शैली और प्रभावी बनाने का प्रयास करें

अच्छा प्रयास

Copyright – Drishti The Vision Foundation